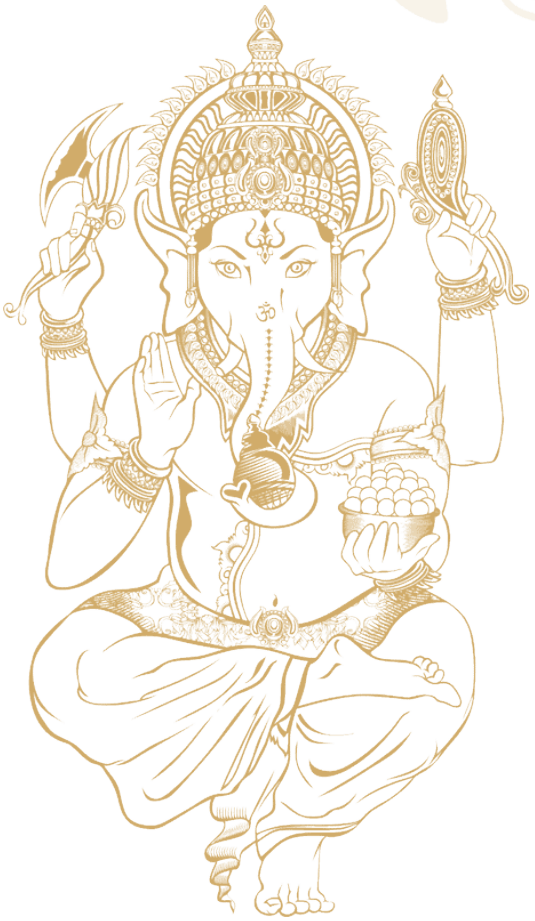

Mr.Ketan Madrecha

15 Sep 1987

09:50 AM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 119431805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/09/1987**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	08:30:54 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:11:20 घंटे
वेलान्तर	00:04:32 घंटे
साम्पातिक काल	08:45:45 घंटे
सूर्योदय	06:25:38 घंटे
सूर्यास्त	18:42:12 घंटे
दिनमान	12:16:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:07:04 सिंह
लग्न के अंश	14:29:11 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:29:11	325:06:18	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			सिंह	28:07:04	00:58:27	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			मिथु	00:15:23	12:07:56	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	सिंह	21:11:23	00:38:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			कन्या	18:07:41	01:28:56	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मेष	04:54:55	00:05:01	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	कन्या	04:21:13	01:14:35	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि			वृश्चि	21:25:38	00:02:33	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	09:11:30	00:03:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	09:11:30	00:03:11	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	29:06:39	00:00:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	11:32:46	00:00:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	14:24:48	00:01:50	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	15:19:06	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:06

लग्न-चलित

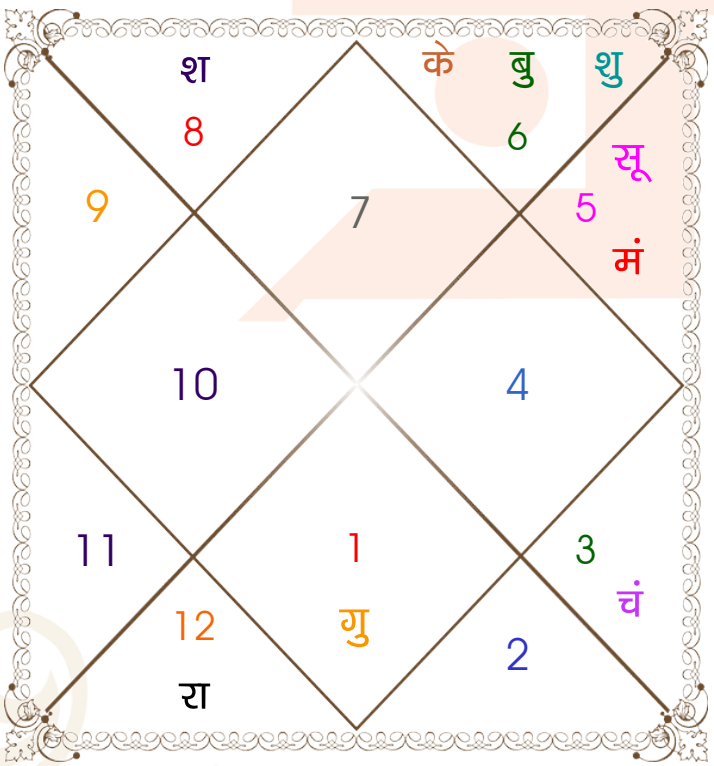

चन्द्र कुंडली

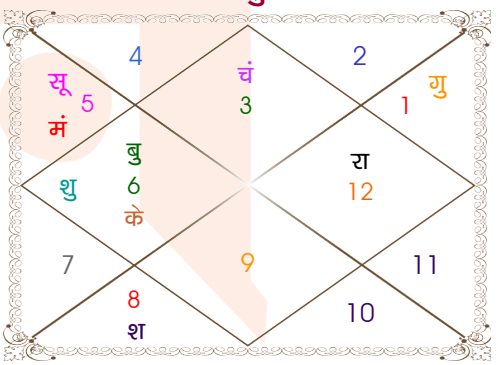

नवमांश कुंडली

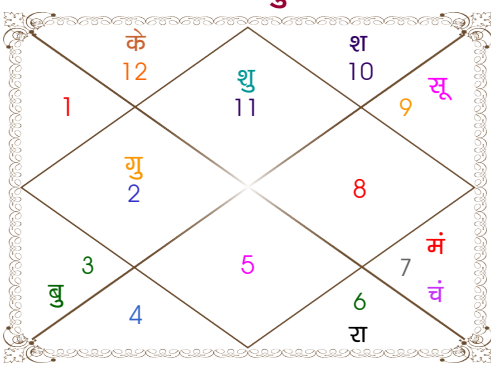

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 4 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/09/1987		26/01/1991		26/01/2009		26/01/2025		26/01/2044	
26/01/1991		26/01/2009		26/01/2025		26/01/2044		26/01/2061	
	00/00/0000	राहु	08/10/1993	गुरु	16/03/2011	शनि	29/01/2028	बुध	24/06/2046
	00/00/0000	गुरु	03/03/1996	शनि	26/09/2013	बुध	09/10/2030	केतु	21/06/2047
	00/00/0000	शनि	08/01/1999	बुध	02/01/2016	केतु	17/11/2031	शुक्र	21/04/2050
	15/09/1987	बुध	27/07/2001	केतु	08/12/2016	शुक्र	17/01/2035	सूर्य	26/02/2051
बुध	24/07/1988	केतु	15/08/2002	शुक्र	09/08/2019	सूर्य	30/12/2035	चंद्र	27/07/2052
केतु	20/12/1988	शुक्र	15/08/2005	सूर्य	27/05/2020	चंद्र	30/07/2037	मंगल	24/07/2053
शुक्र	19/02/1990	सूर्य	09/07/2006	चंद्र	26/09/2021	मंगल	08/09/2038	राहु	11/02/2056
सूर्य	27/06/1990	चंद्र	08/01/2008	मंगल	02/09/2022	राहु	15/07/2041	गुरु	18/05/2058
चंद्र	26/01/1991	मंगल	26/01/2009	राहु	26/01/2025	गुरु	26/01/2044	शनि	26/01/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/01/2061		26/01/2068		26/01/2088		26/01/2094		27/01/2104	
26/01/2068		26/01/2088		26/01/2094		27/01/2104		00/00/0000	
केतु	24/06/2061	शुक्र	28/05/2071	सूर्य	15/05/2088	चंद्र	26/11/2094	मंगल	25/06/2104
शुक्र	24/08/2062	सूर्य	27/05/2072	चंद्र	14/11/2088	मंगल	27/06/2095	राहु	13/07/2105
सूर्य	30/12/2062	चंद्र	26/01/2074	मंगल	21/03/2089	राहु	26/12/2096	गुरु	19/06/2106
चंद्र	31/07/2063	मंगल	28/03/2075	राहु	13/02/2090	गुरु	27/04/2098	शनि	29/07/2107
मंगल	27/12/2063	राहु	28/03/2078	गुरु	02/12/2090	शनि	27/11/2099	बुध	16/09/2107
राहु	13/01/2065	गुरु	26/11/2080	शनि	14/11/2091	बुध	28/04/2101		00/00/0000
गुरु	20/12/2065	शनि	26/01/2084	बुध	20/09/2092	केतु	27/11/2101		00/00/0000
शनि	29/01/2067	बुध	26/11/2086	केतु	26/01/2093	शुक्र	29/07/2103		00/00/0000
बुध	26/01/2068	केतु	26/01/2088	शुक्र	26/01/2094	सूर्य	27/01/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।